जिम्मी को
नया सीखना
मिला

- त्रिमंत्र -

नमो वीतरागाय
नमो अरिहंताणं
नमो सिद्धाणं
नमो आयरियाणं
नमो उवज्झायाणं
नमो लोए सव्वसाहूणं
एसो पंच नमुक्कारो, सव्व पावप्पणासणो
मंगलाणं च सव्वेसिं, पढमं हवइ मंगलम्॥ १॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥ २॥
ॐ नमः शिवाय॥ ३॥
जय सच्चिदानंद

यह कहानी एक ऐसे शहर की है जिसका नाम है कारलेन्ड, जहाँ सारे वाहन बोल सकते थे!

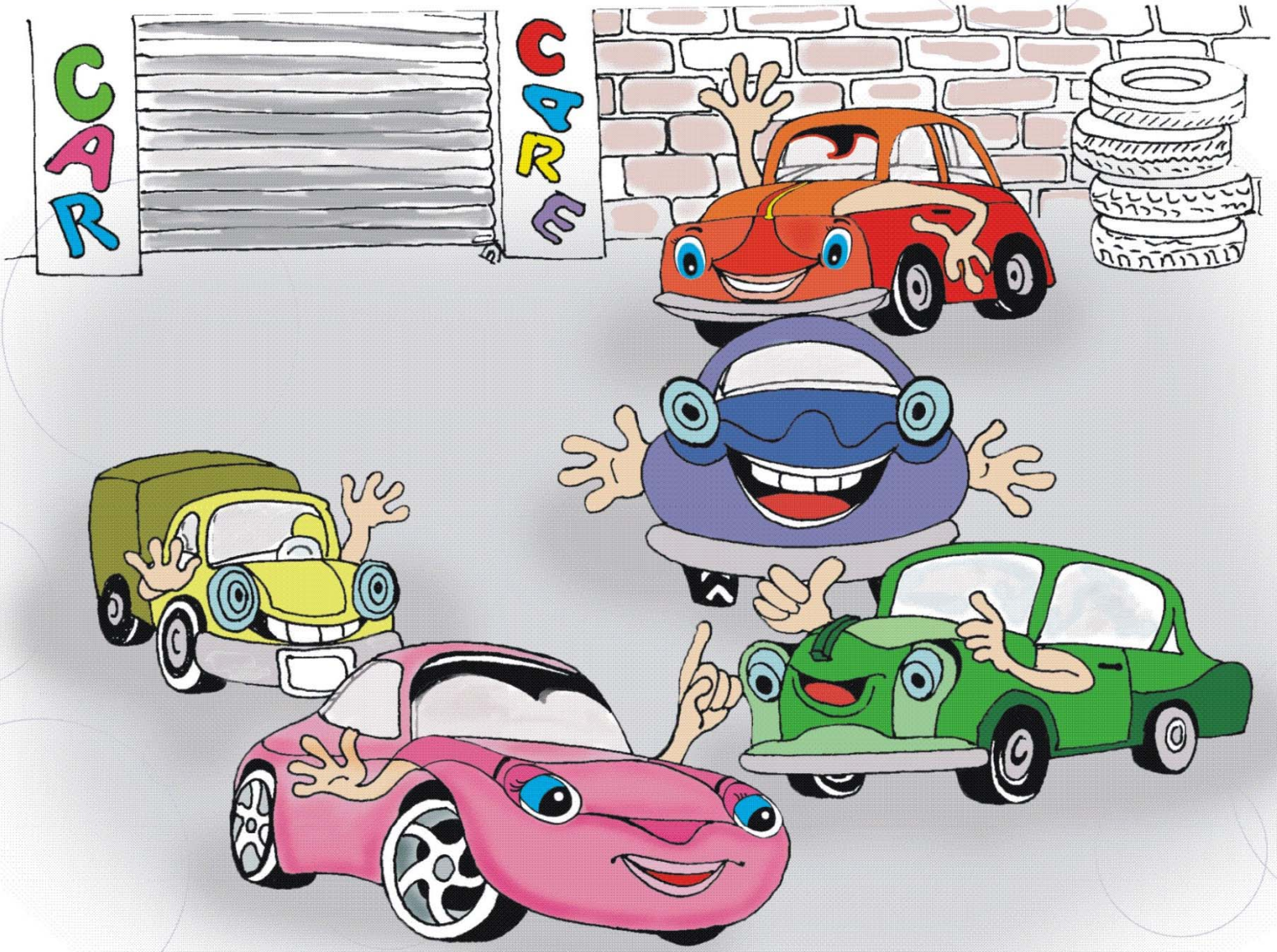

यह शहर शिस्तबद्ध वाहन व्यवहार के लिए प्रचलित था। सारे वाहनों की सावधानी के कारण आज तक इस शहर में एक भी अकस्मात नहीं हुआ था। रेड सिग्नल के दौरान सारे सिन्सियर वाहन शांति से रुक जाते और अन्य वाहनों को जाने देते।

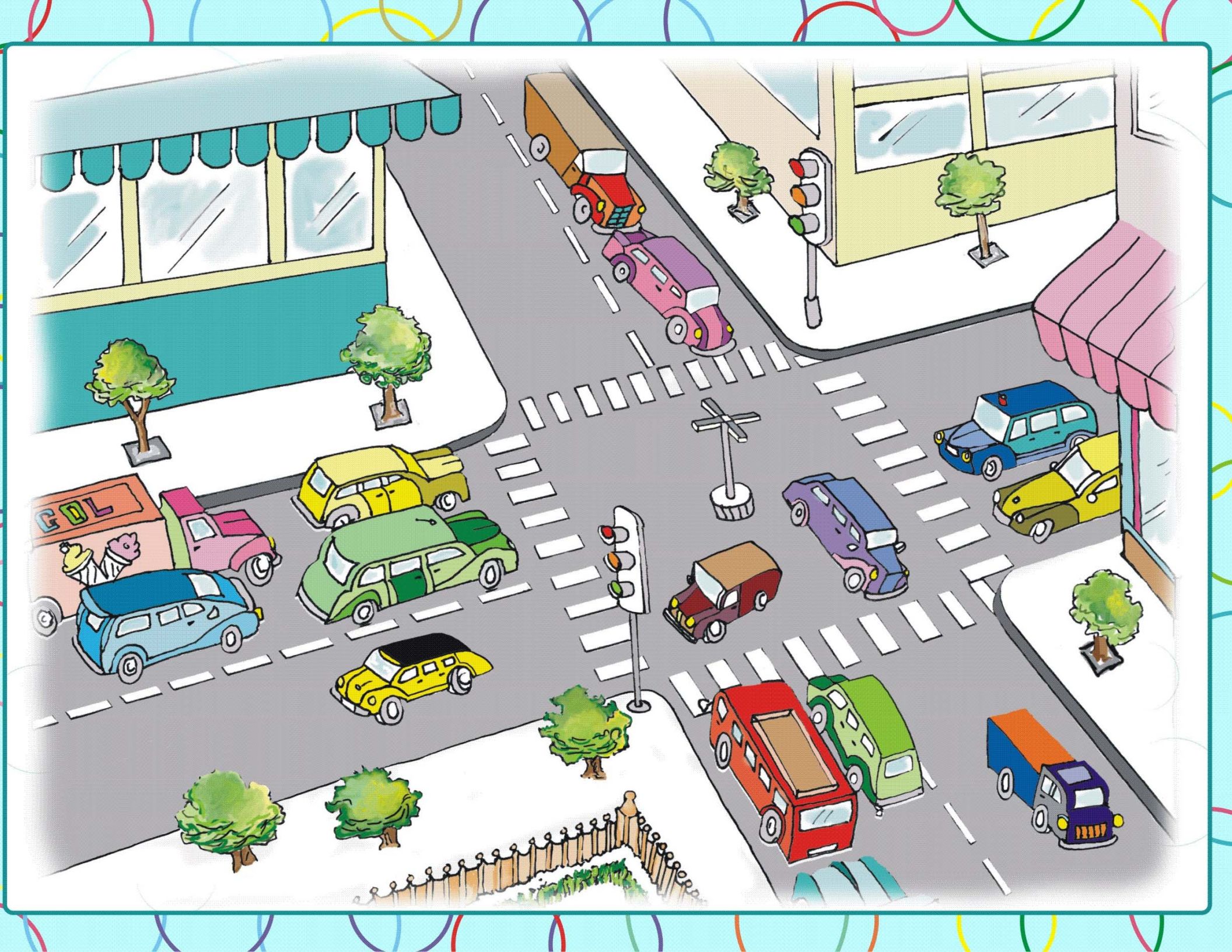
GOL

एक दिन एक शैतान कार कारलेन्ड में आई। नाम उसका टियाना। दूसरों को तंग करके आनंद लेने का उसे बहुत शौक था। ऐसे, इस छोटी सी कार ने सारे वाहनों का जीना मुश्किल कर दिया था।

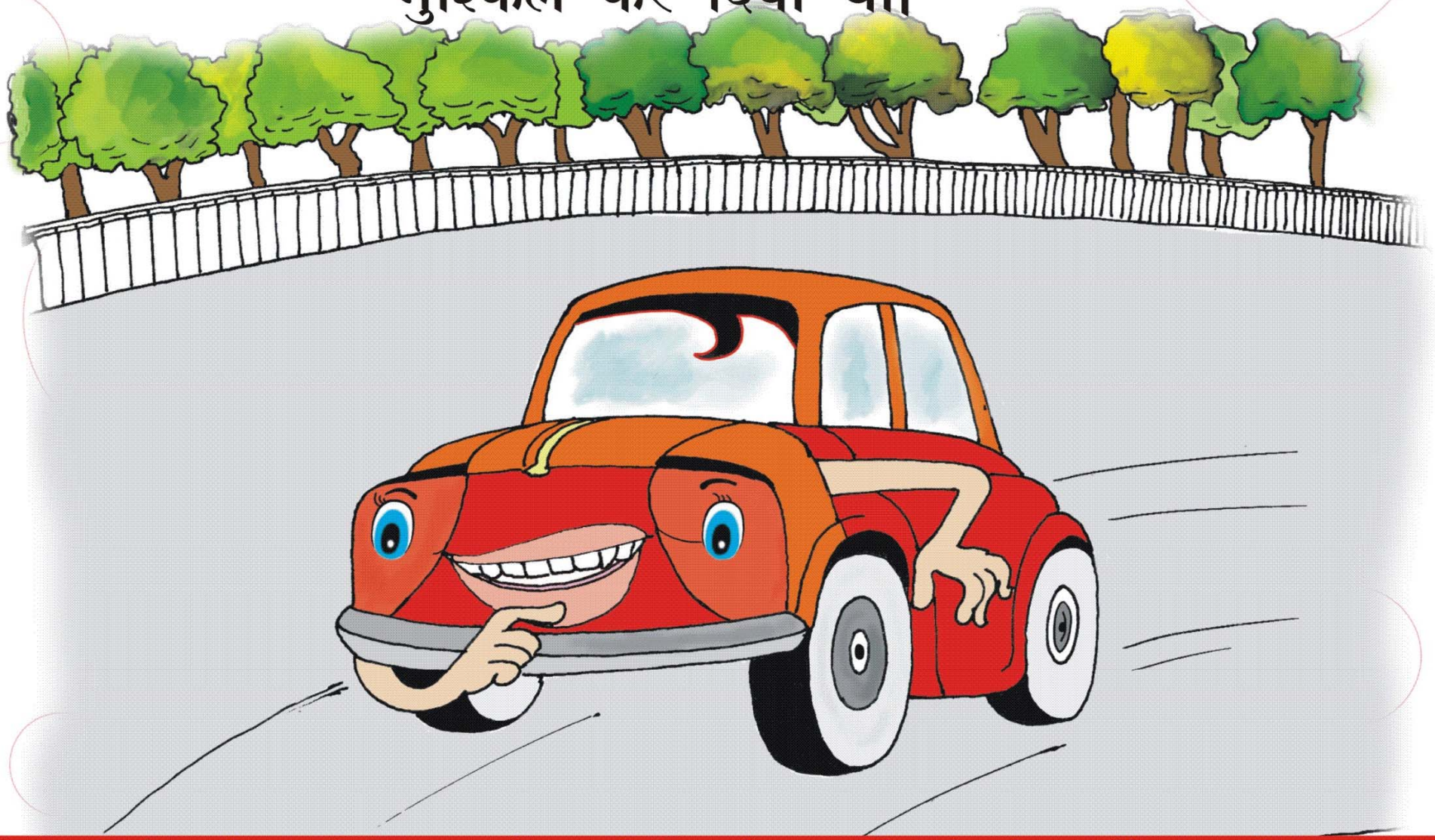

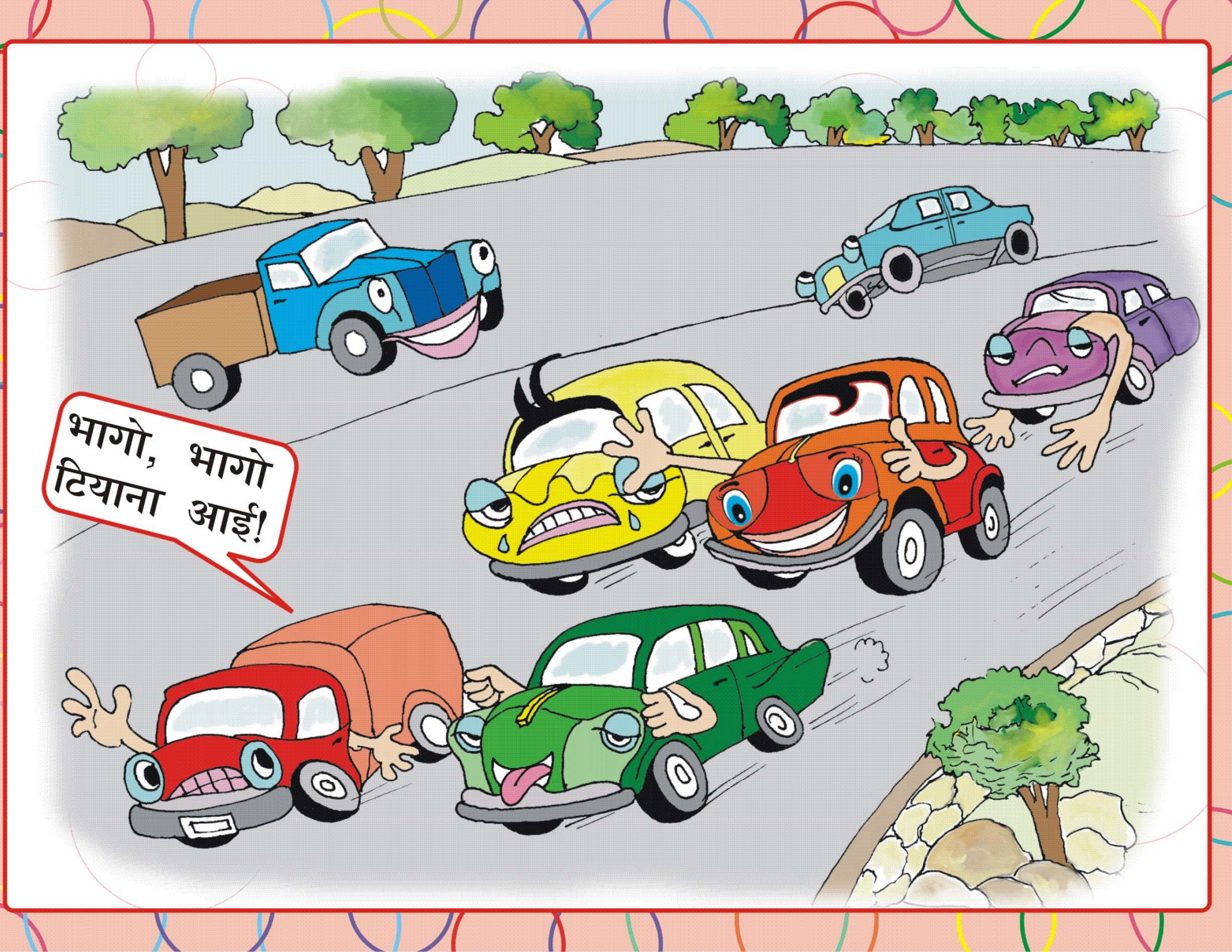
भागो, भागो
टियाना आई!

और हमेशा उसके निशाने पर जिम्मी रहती। जो कारलेन्ड की सबसे सिन्सियर कार मानी जाती थी।

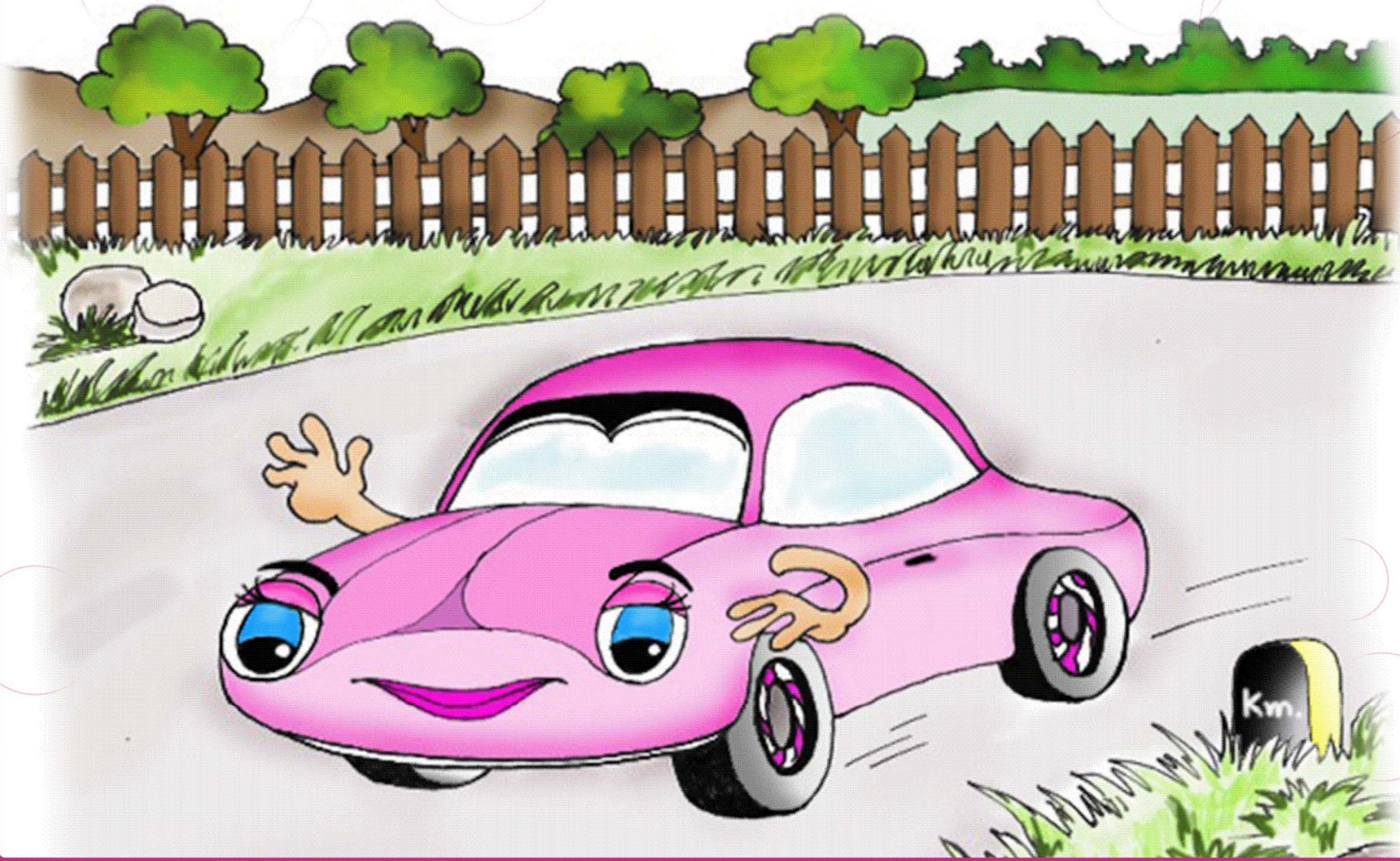

एक दिन जिम्मी ने, टियाना को अपनी जगह पर खड़ी रखते हुए देखकर धूँआ छोड़ा।

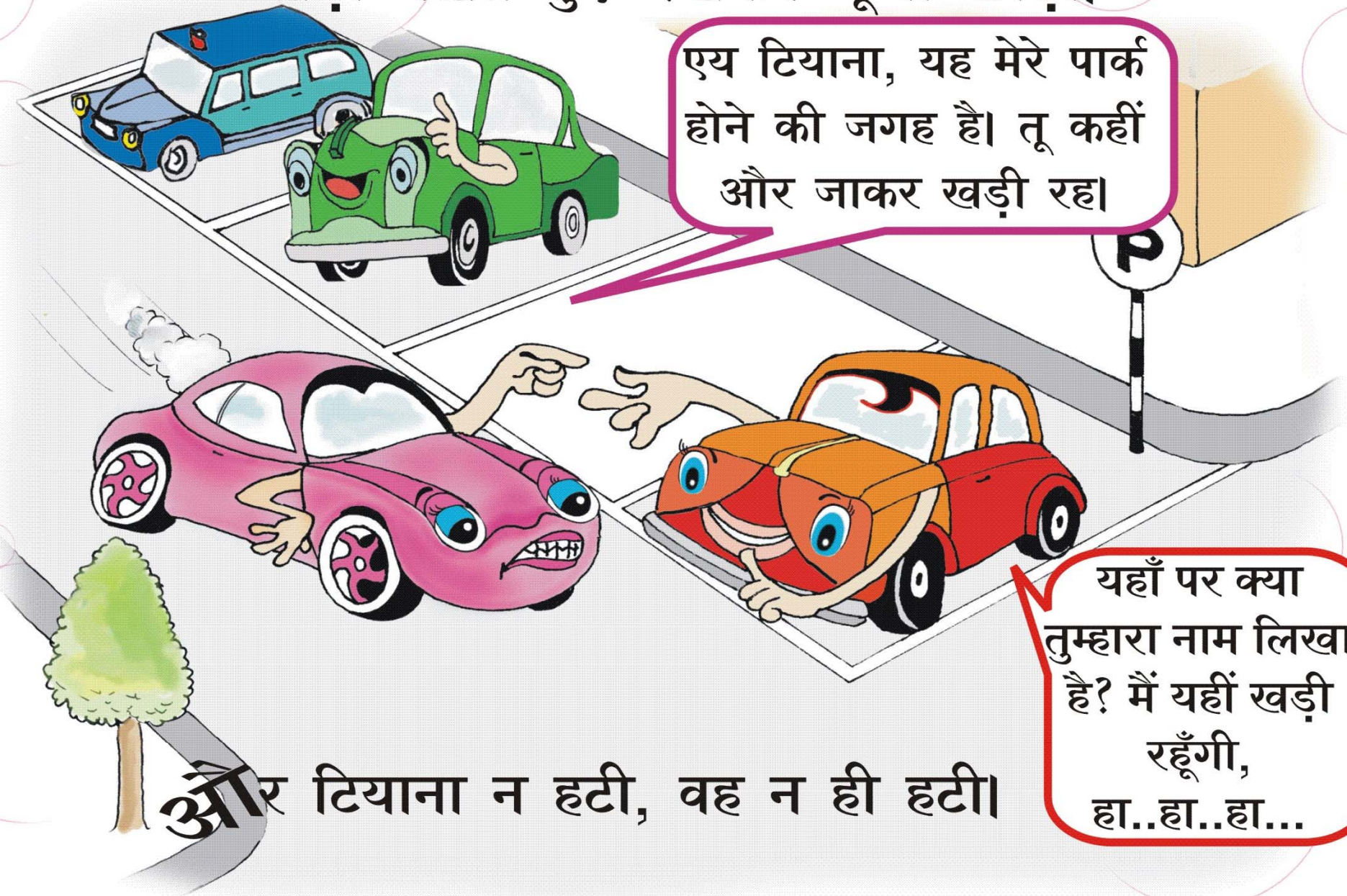

और टियाना न हटी, वह न ही हटी।

ऐसी थी टियाना। बेचारी जिम्मी... टियाना के सताने से रोज़ उसे कौन बचाता?

अचानक एक दिन जिम्मी को अंकल हेनरी की याद आई।

यह है अंकल हेनरी। वे कारलेन्ड में हेपी हेनरी से जाने जाते थे।

उम्र में काफी बड़े फिर भी सभी के साथ मिलनसार। हेपी हेनरी ने काफी समय से मेइन रोड़ पर दौड़ना छोड़ दिया था। इसलिए शैतानी टियाना उनसे अंजान थी। बाकी की सारी कारें उन्हें पहचानती थी क्योंकि लगभग सारी कारों को उन्होंने रास्ते पर बंद पड़ जाने के समय मदद की थी।

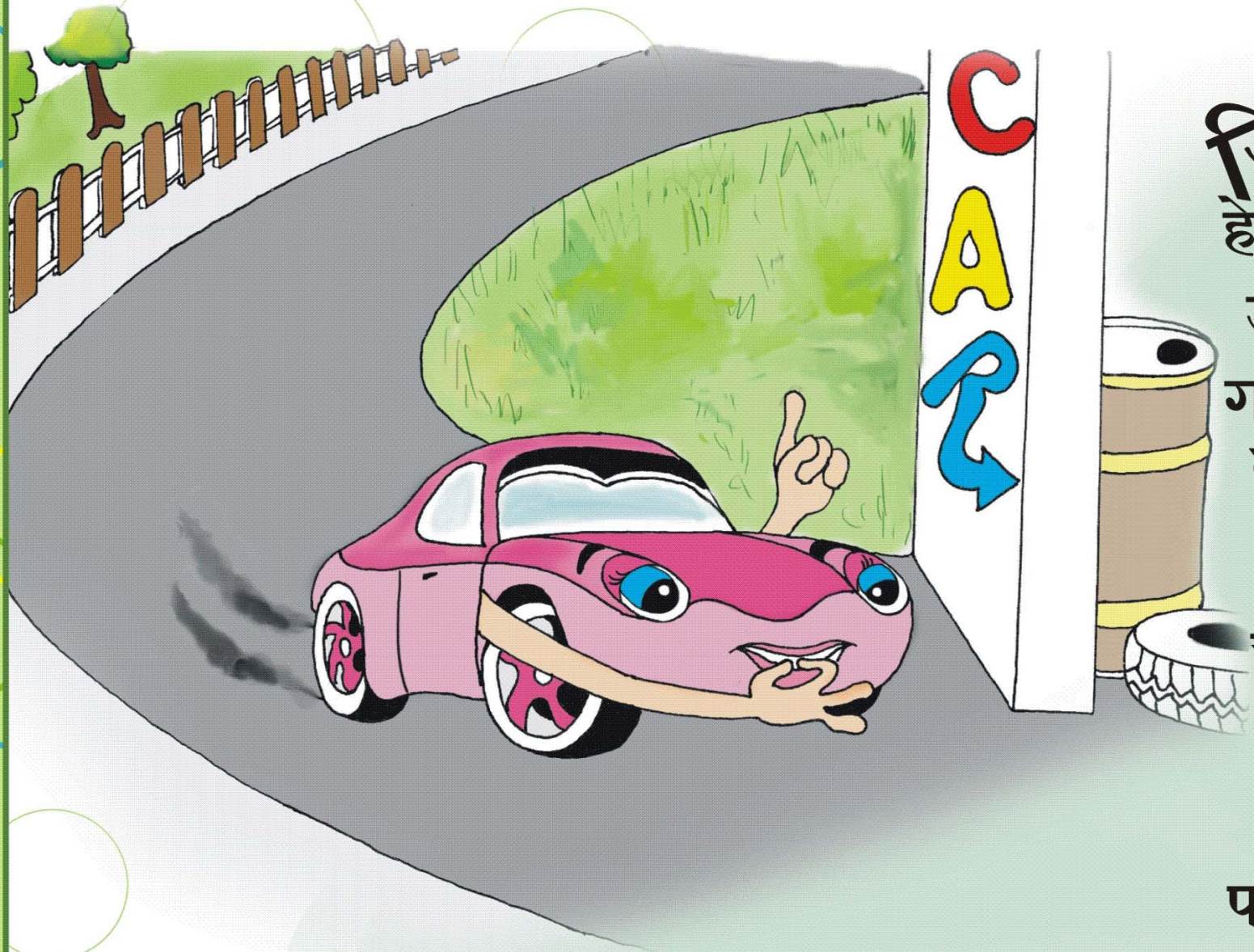

जिम्मी अंकल हेनरी को मिलने उनके गेरेज में गई। उसे अंकल हेनरी से कोई नई समझ चाहिए थी कि जिससे वह टियाना की परेशानी से बच सके।

अंकल आराम कर रहे थे। उनके एकदम नज़दीक जाकर वह बोली "अंकल हेनरी।" हेनरी ने धीरे से आँखें खोली।

"ओ हो जिम्मी...आओ बेटे। बहुत समय बाद तुम से मिलकर बहुत आनंद हुआ। सब कैसा चल रहा है ?"

"अंकल, एक नई कार है, टियाना। वो मुझे बहुत तंग करती है।" जिम्मी ने अपनी परेशानी बताई।

"और उसके सामने तू क्या करती है?" हेनरी ने उससे पूछा।

"मैं उसके सामने दलील पर उतर आती हूँ।" जिम्मी ने कहा।

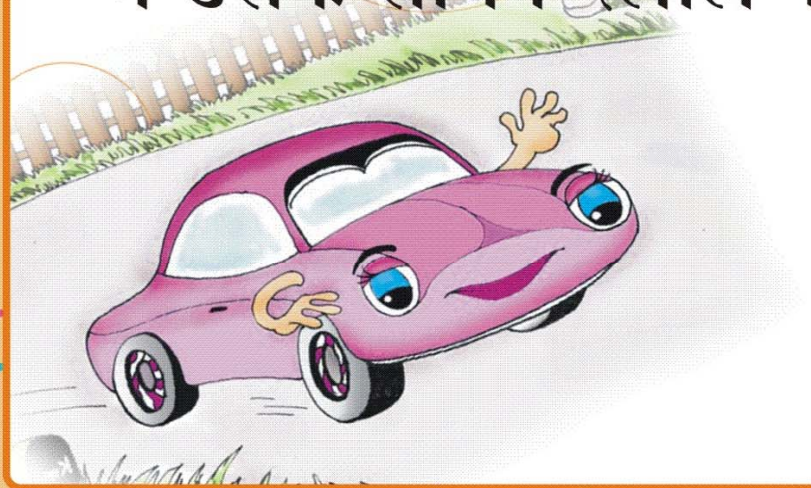

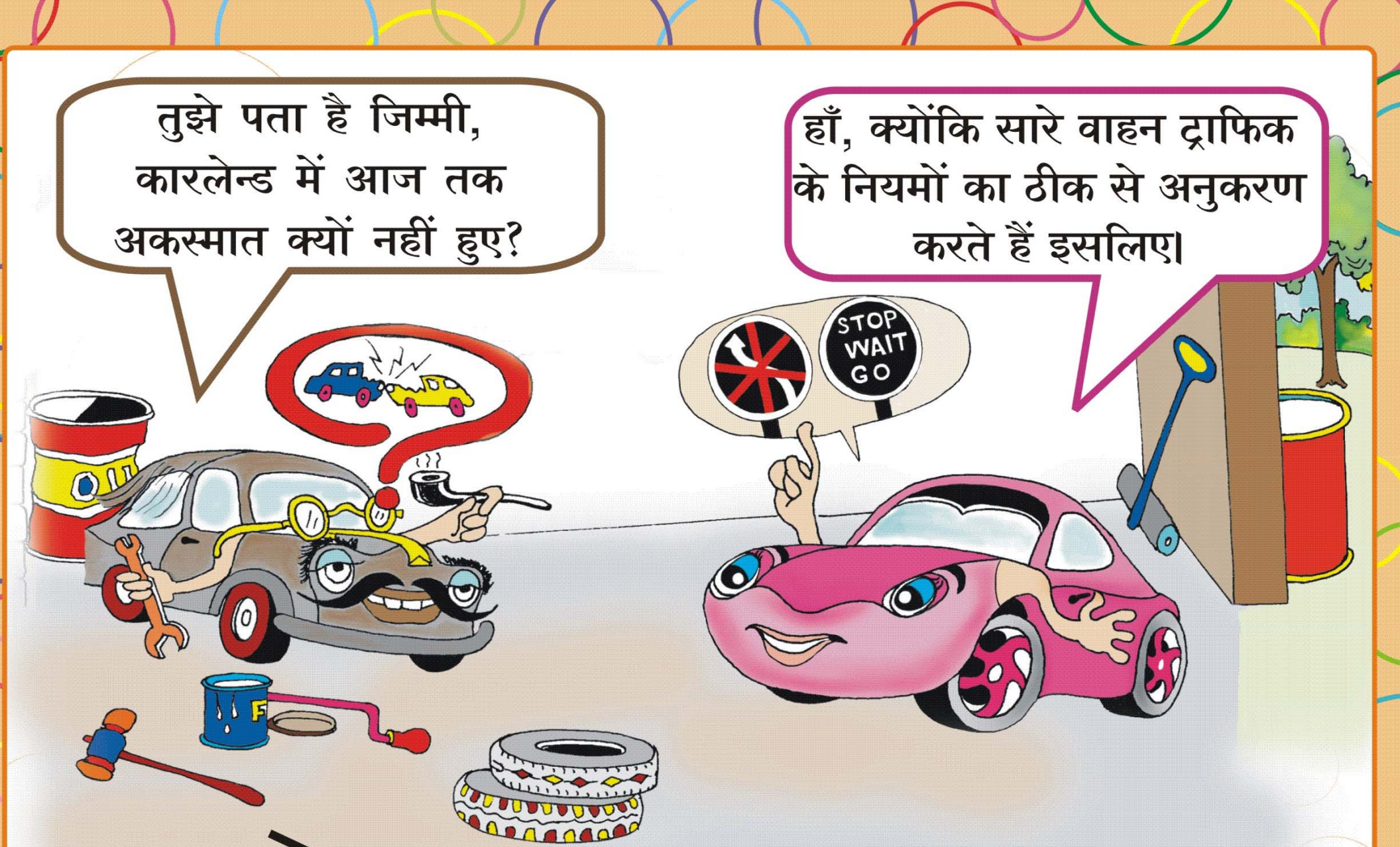

" वही नियमों का जीवन में भी अनुकरण करना पड़ता है। किसी के साथ टकराओ मत।" अंकल ने कहा।

"यदि तू रास्ते पर जा रही हो और सामने से कोई ट्राफिक के नियमों को भंग करके तुम्हारे सामने आ जाए तो तू क्या करेगी?" अंकल ने कहा।

"मैं तुरंत ही रास्ता बदल दूँगी और अकस्मात को टाल दूँगी।" जिम्मी ने तुरंत जवाब दिया।

"**क्यों**?" अंकल हेनरी ने पूछा।

"क्योंकि अकस्मात से मुझे नुकसान पहुँचेगा। शायद मैं मर भी जाऊँ।" जिम्मी ने जवाब दिया।

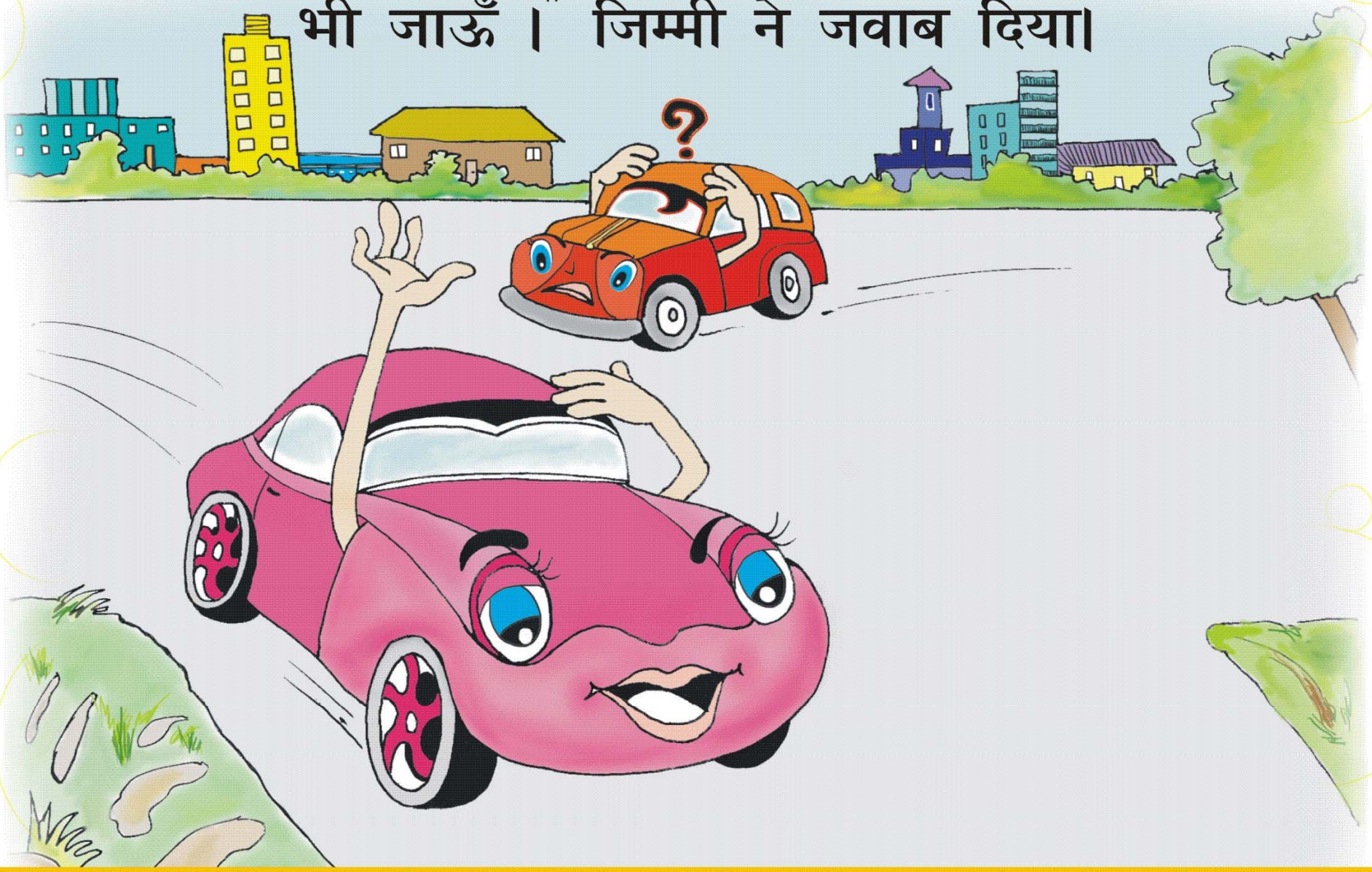

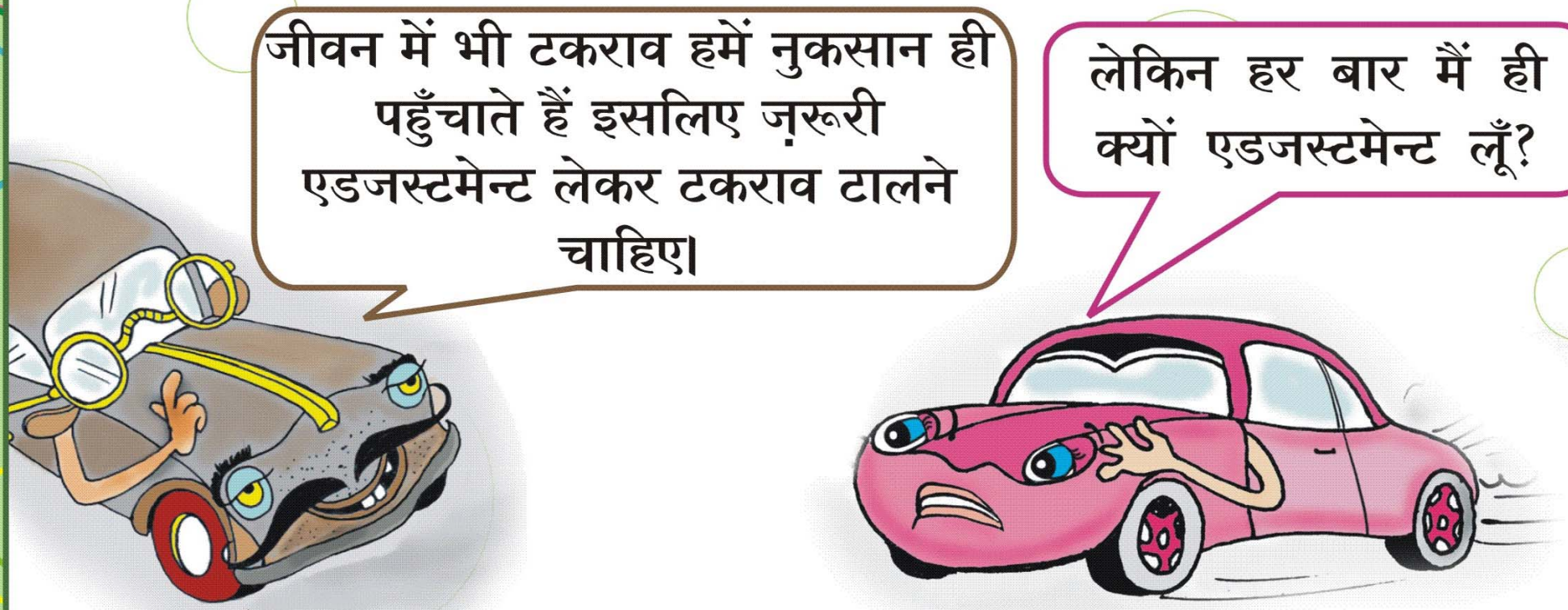

अनुभवी अंकल बोले, "जिसे शांति चाहिए उसे एडजस्टमेन्ट लेने पड़ेंगे। जिस ने टकराव टालने का तय किया हो, उसे एडजस्टमेन्ट लेने के नए-नए तरीके मिल ही जाते हैं। इस तरह से सूझ खिलती ही जाती है। यह कुदरत का नियम है।

"सच?"

उसने अंकल को प्रॉमिस देते हुए कहा, "आज से मैं किसी से टकराव नहीं करूँगी।"

दूसरे दिन,

इस तरह, उस दिन से टियाना उसे सताती तो जिम्मी हर बार एडजस्टमेन्ट लेने लगी। थोड़े ही समय में टियाना जिम्मी को सताने से ऊ ब गई क्योंकि अब तो वह गुस्सा ही नहीं होती थीं। आखिर में उसने उसे सताना बंद कर दिया।

इस तरह जिम्मी "टकराव टालो" नियम का हर जगह अनुकरण करने लगी, फिर वह रास्ते पर हो या जीवन हो।

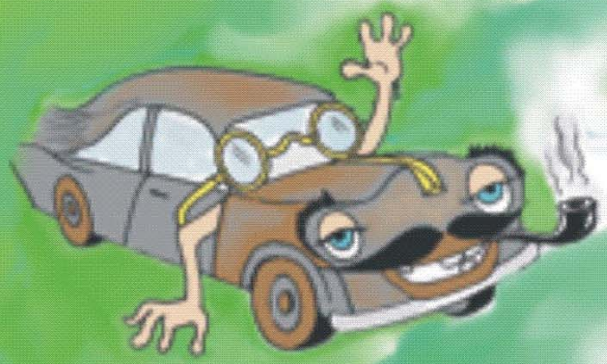

बुक-१

"कार"टून कहानियाँ